AJINKYA-MN®

सभी प्रकारकी सूक्ष्म पोषक तत्व फसल की वृध्दि के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण और गुणकारी है ।

सूक्ष्म पोषक:

सूक्ष्म पोषक और मिश्रित सूक्ष्म पोषक दो ऐसे तत्व हैं जो पौधों की वृध्दी के लिए अत्यंत आवश्यक हैं । लेकिन इस बात का ध्यान रखना जरुरी है कि इनकी मात्रा बहुत कम होनी चाहिए । इतनी कम कि प्राथमिक पोषक – जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटेशियम से भी कम ।
उचित फसल प्राप्त करने के लिए सोलह पोषक तत्त्वों का होना आवश्यक हैं । इनमें से सभी तत्त्व पौधो के लिए आवश्यक होते हैं । इन तत्त्वों को तीन भागों में बाँटा जा सकता हैं । प्राथमिक पोषक (नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटेशियम) द्वितिय पोषक (कॅल्सियम, मॅग्नेशियम तथा सल्फर) सूक्ष्म पोषक में बोरोन (बी), कॉपर (सी), आयरन (एफआई), मॉलिब्डेनम (एम ओ) तथा जिंक (जेड एन) होता है ।

चिलेटड जिंक (Zn) १२%

- चिलेटेड जिंक (Zn) १२% ये आयरन (Fe), जिंक (Zn), कॉपर (Cu), मैंगनीज (Mn), बोरोन (B) और मॉलिब्डिनम (Mo) इन तत्त्वों मे से युक्त हैं।
- चिलेटेड जिंक (Zn) में जिंक १२% है। ड्रिप और पत्तियों पर (फोलीअर) अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त।
- वे फसलों के लिए सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की उपलब्धता को बढ़ाते है।
- वे फसलो की पोषक तत्त्व उपयोग दक्षता को बढ़ाते है।
- वे फसलों में कीटों और रोगों के प्रति सहिष्णुता प्ररित करते है।
- बेहतर फसल की गुणवत्ता और उच्चतर फसल की पैदावार के साथ, किसान अपनी खेती से अधिक अर्जित करते हैं।
- किसान विभिन्न फसलों मे उनका उपयोग कर सकते हैं, फलों की फसलें, बागान की फसलें और खेत की फसले।

प्रमाण: १ ते १.५ ग्रॅम प्रती १ ली. पाणी
पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

चिलेटेड लोह (Fe) १२%

- चिलेटेड लोह १२% ये आयरन (Fe), जिंक (Zn), कॉपर (Cu), मैंगनीज (Mn), बोरोन (B) और मॉलिब्डिनम (Mo) इन तत्त्वों मे से युक्त हैं।
- चिलेटेड लोह (Fe) में लोह १२% है। ड्रिप और पत्तियों पर (फोलीयर) अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त।
- वे फसलों के लिए सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की उपलब्धता को बढ़ाते है।
- वे फसलो की पोषक तत्त्व उपयोग दक्षता को बढ़ाते है।
- वे फसलों मे कीटों और रोगों के प्रति सहिष्णुता प्ररित करते है।
- बेहतर फसल की गुणवत्ता और उच्चतर फसल की पैदावार के साथ, किसान अपनी खेती से अधिक अर्जित करते हैं।
- किसान विभिन्न फसलों मे उनका उपयोग कर सकते हैं, फलों की फसलें, बागान की फसलें और खेत की फसले।

प्रमाण: १ ते १.५ ग्रॅम प्रती १ ली. पाणी
पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

अजिंक्य एम.एन. मिक्स (MN-Mix)

- अजिंक्य-एम.एन. मिश्रण के लिए सूक्ष्म पोषक की आवश्यकता फसल की अनुकूलता के अनुसार आवश्यक होती हैं।
- अजिंक्य-एम.एन. मिश्रण EDTA के साथ मिल कर पौधों पर प्रभावकारी परिणाम डालता है।
- पौधों के पूरे जीवन में लगातार अजिंक्य एम.एन. मिश्रण का उपयोग उन्हें आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी से बचाते हैं।
- अजिंक्य-एम.एन. मिश्रण विभिन्न सूक्ष्म पोषकों का मिश्रण है। यह पौधों को लंबे समय तक धीरे-धीरे उपलब्ध होता रहता है।
- अजिंक्य-एम.एन. मिश्रण छिड़काव के लिए एक आवश्यक संतुलित जैविक मिश्रण है। यह पौधों की वृद्धि और पैदावार को बढ़ाता है।
- अजिंक्य-एम.एन. मिश्रण का उपयोग बूँद-बूँद सिंचाई के लिए भी उपयोग में लाया जा सकता है। इसके साथ ही इसे छिड़काव के काम में भी लाया जा सकता

प्रमाण: १ ते १.५ ग्रॅम प्रती १ ली. पाणी
पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

जिंक (Zn) ऑक्साईड ३९.५%

- जिंक ऑक्साईड ३९.५% विभिन्न फसलों में उनकी वृद्धि के विभिन्न स्तरों पर होने वाली जिंक की कमी को दूर करने में सहायक होता है।
- जिंक ऑक्साईड ३९.५% क्लोराइड, सोडियम तथा अन्य नुकसान देह तत्त्वों से मुक्त होता है। इसलिए पौधों पर इसका बुरा प्रभाव नही पडता ।
- जिंक ऑक्साईड ३९.५% एंजाइम सिस्टम, बीज विकास तथा पौधों में पानी का नियमन करने में महत्त्वपुर्ण भूमिका अदा करता है।
- जिंक ऑक्साईड ३९.५% पौधो के 'सेल' (कोशिकाओं) को मजबूत बनता है और 'सेल' निर्माण को नियमित करता है। फसल के उत्पादन में वृद्धि करने में मदद करता है।
- जिंक ऑक्साईड ३९.५% ऑक्सीजन एक्सचेंज का नियमन करता है तथा कार्बो-हाइड्रेट्स के उत्पादन में सहायक होता है।
- जिंक ऑक्साईड ३९.५% ट्राईप्टोफन का मुख्य स्त्रोत है, जो पौधों के उत्पादन तथा हार्मोन उत्पादन में सहायक होता है।
- इसे अल्पा नेफ्थालीन एसिटिक एसिड कहते हैं। वह हार्मोन के उत्पादन में सहायक होता है, जिसे ऑक्सिन कहते हैं । इससे अधिक मात्रा में स्वस्थ फसल की प्राप्ति होती है।
- जिंक ऑक्साईड ३९.५% का उपयोग दूसरे एग्रो केमिकल्स तथा यूरिया जैसे अन्य रसायनों के साथ किया जा सकता है।

प्रमाण: १ ते १.५ ग्रॅम प्रती १ ली. पाणी
पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

जिंक एचईडीपी (Zn HEDP) १७%

- जिंक १७% विभिन्न फसलों में उनकी वृद्धि के विभिन्न स्तरों पर होने वाली जिंक की कमी को दूर करने में सहायक होता है।
- जिंक १७% क्लोराइड, सोडियम तथा अन्य नुकसान जैसे तत्त्वों से मुक्त होता है। इसलिए पौधों पर इसका बुरा प्रभाव नही पडता ।
- जिंक १७% एंजाइम सिस्टम, बीज विकास तथा पौधों में पानी का नियमन करने में महत्त्वपुर्ण भूमिका अदा करता है।
- जिंक १७% पौधो के 'सेल' (कोशिकाओं) को मजबूत बनाता है और 'सेल' निर्माण को नियमित करता है। फसल के उत्पादन में वृद्धि करने में मदद करता है।
- जिंक १७% ऑक्सीजन एक्सचेंज का नियमन करता है तथा कार्बो-हाइड्रेट्स के उत्पादन में सहायक होता है।
- जिंक १७% ट्राईप्टोफन का मुख्य स्त्रोत है, जो पौधों के उत्पादन तथा हार्मोन उत्पादन में सहायक होता है।
- इसे अल्पा नेफ्थालीन एसिटिक एसिड कहते हैं। वह हार्मोन के उत्पादन में सहायक होता है, जिसे ऑक्सिन कहाते हैं । इससे अधिक मात्रा में स्वस्थ फसल की प्राप्ति होती है।
- जिंक १७% का उपयोग दूसरे एग्रो केमिकल्स तथा यूरिया जैसे अन्य रसायनों के साथ किया जा सकता है।

प्रमाण: ३ ग्रॅम प्रती ली. पाणी

पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

लोह एचईडीपी (Fe HEDP) १७%

- यह आयरन का अदुभुत स्त्रोत है। पौधों की वृद्धि के समय सूक्ष्म पोषकों की बहुत आवश्यकता होती है। यह पौधों के पोषण के लिए बहुत कारगर होता है।
- लोह (Fe HEDP) १७% पौधों की स्वस्थ और क्रियाशील जड़ो की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जड़ो में कोई भी रोग लगता है, तो आयरन की कमी से लगता है।
- लोह (Fe HEDP) एक कॉसन्ट्रेटेड आइरन सूक्ष्म पोषक है। यह आइरन की कमी को दूर करता है। यह इसके सुरक्षात्मक उपाय के लिए बहुत उपयोगी है। यदि पौधों में मामूली कमी के लक्षण होते हैं, तो तीन-चार हप्ते तक उच्च औसत में इसका प्रयोग करना होता है। यह प्रयोग तब तक करना चाहिए, जब तक पौधों में आयरन की कमी दूर नहीं हो जाती ।
- लोह (Fe HEDP) का उपयोग बड़े पैमाने पर पौधों की आयरन की कमी को दूर करने तथा उन्हें आयरन की कमी से बचाने के लिए किया जाता है।
- लोह (Fe HEDP) ऐसा चिलेटिंग उत्पाद है, जिसका उपयोग अन्य सूक्ष्म पोषकों के मुकाबले कहीं अधिक बेहतर नतीजा देता है।
- लोह (Fe HEDP) का उपयोग बूँद-बूँद सिंचाई के साथ अथवा छिड़काव के रूप में किया जा सकता है।
- इसके उपयोग का आसान तरीका पानी अथवा उर्वरक में मिला कर करना है।

प्रमाण: १ ग्रॅम प्रती १ ली. पाणी

पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

बोरोन २०%

- फसल के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार से होनेवाली कमियों को बोरोन २०% बचाव करने में सहायक होता है।
- बोरोन २०% पौधों में अधिक फूल आने में सहायक होता है। यह फूलों को गिरने से बचाता है तथा फलों की फटने से रक्षा करता है।
- बोरोन २०% में क्लोराइड, सोडियम तथा अन्य नुकसान देह तत्त्व नही होते। इससे पौधे सुरक्षित रहते हैं।
- बोरोन २०% में २०% बोरोन होता है। यह बहुत सरल ढंग से फसल में बोरोन की कमी को दूर कर देता है ।
- बोरोन २०% पौधों की जड़ों का विकास करने, उनकी शक्ति बढ़ाने तथा फलों की वृद्धि करने में सहायक होता है ।इसके अतिरिक्त यह पौधों में कार्बोहाइड्रेट्स, मेटाबोलिज्म तथा प्रोटीन का विकास करता है।
- बोरोन २०% पौधों के हार्मोन्स लेवल को ठीक करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पौधों में फूल आने से पहले बोरोन २०% का छिड़काव करने से फूल आने और फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है।
- बोरोन २०% बोरोन का बहुउद्देश्यीय स्त्रोत है। इसका उपयोग सीधा किया जा सकता है। इसका अन्य उर्वरकों के साथ तथा कीटनाशकों, जीवणुनाशकों के साथ मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है।
- बोरोन २०% पाउडर के रूप में उपलब्ध है। यह छिड़काव के लिए उपयुक्त है।

प्रमाण: १ ते २ ग्रॅम प्रती १ ली. पाणी

पैकिंग: १०० ग्रॅम/ २५० ग्रॅम/ ५०० ग्रॅम

कैल्शियम (Ca) ११%

- द्रावण स्वरुप होने की वजह से पानी में घुलनशिल कैल्शियम का अनूठा स्त्रोत है।
- पौधों की कैल्शियम की कमी को कम करता है और फसलों के बढ़ने और शक्ति में सहायता करता है।
- किटकनाशक और रोगों के प्रति सहिष्णुता के माध्यम से पौधों को स्वस्थ और मजबूत बनाता है।
- पौधों के भीतर विषाक्त रसायनों को निष्क्रिय करने में सहायता करता है। मिट्टी के पीएच (ph) में सुधार करता है और सुराग तत्त्वों की उपलब्धता बढ़ाता है।
- फल लगना और फलों के छिलके की गुणवत्ता में सुधार करता है।
- फसल की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाता है।
- टमाटर जैसे फसल में पुष्पाग्र-विगलन और आलू जैसे फसल में पर्ण चित्ती को कम करता है।
- पर्णीय अनुप्रयोगों और ड्रिप सिंचाई के माध्यम से फर्टीगेशन दोनों के लिए उपयुक्त।

प्रमाण: १ मिली प्रती १ ली. पाणी

पैकिंग: १०० / २५० / ५०० मिली

बोरोन (Bo) १०%

- फसल के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार से होनेवाली कमियों को बोरोन १०% बचाव करने में सहायक होता है।
- बोरोन १०% पौधों में अधिक फूल आने में सहायक होता है। यह फूलों को गिरने से बचाता है तथा फलों की फटने से रक्षा करता है।
- बोरोन १०% में क्लोराइड, सोडियम तथा अन्य नुकसान देह तत्त्व नही होते। इससे पौधे सुरक्षित रहते हैं।
- बोरोन १०% में १०% बोरोन होता है। यह बहुत सरल ढंग से फसल में बोरोन की कमी को दूर कर देता हैं।
- बोरोन १०% पौधों की जड़ों का विकास करने, उनकी शक्ति बढ़ाने तथा फलों की वृद्धि करने में सहायक होता है ।इसके अतिरिक्त यह पौधों में कार्बोहाइड्रेट्स, मेटाबोलिज्म तथा प्रोटीन का विकास करता है।
- बोरोन १०% पौधों के हार्मोन्स लेवल को ठीक करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पौधों में पूल आने से पहले बोरोन १०% का छिड़काव करने से फूल आने और फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है।
- बोरोन १०% बोरोन का बहुउद्देश्यीय स्त्रोत है। इसका उपयोग सीधा किया जा सकता है। इसका अन्य उर्वरकों के साथ तथा कीटनाशकों, जीवणुनाशकों के साथ भिलाकर छिड़काव किया जा सकता है।
- बोरोन १०% पाउडर के रूप में उपलब्ध है। यह छिड़काव के लिए उपयुक्त है।

प्रमाण: २ मिली प्रती १ ली. पाणी

पैकिंग: १०० / २५० / ५०० मिली

उत्पादक :

अजिंक्य केमटेक प्रा. लि.

स.न. १३७, देवाची उरुळी, ता. हवेली, जि. पुणे

Customer Care No.: 020 25677605

ISO 9001:2015 + ISO 14001:2015 + ISO 45001:2018